15.6.1992 तक का समय लगा था। ठक्कर जांच आयोग पर 21,91,774/- रुपए खर्च आया। वर्मा जांच आयोग पर 29,06,638/- रुपए खर्च हुए।

राज्यों में आतंकवादी गतिविधियां

*2. **श्री ओंकार सिंह लखावत:** क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गत तीन वर्षों के दौरान आतंकवादी गतिविधियों के कारण राज्य-वार कितनी हत्यायें हुई; और

(ख) क्या सरकार देश को आतंकवाद से मुक्त कराने के लिये राष्ट्रीय सर्वसम्मति तैयार करने हेतु कोई योजना बनाने का विचार रखती है?

गृह मंत्री (श्री लाल कृष्ण आडवाणी): (क) केन्द्र सरकार के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार, गत तीन वर्षों के दौरान आतंकवादी गतिविधियों के कारण हुई हत्याओं की राज्य-वार संख्या दर्शाते हुए एक विवरण संलग्न है। **(नीचे देखिए)।**

(ख) आतंकवादी गतिविधियों का मुकाबला करने के लिए केन्द्रीय स्तर पर निम्नलिखित कार्रवाई की जाती है:—

1. सूचना का विनियम, आसूचना का आदान-प्रदान करने, रणनीति तैयार करने तथा समन्वित कार्रवाई करने से संबंधित मामलों पर राज्य सरकारों/आसूचना एजेन्सियों/केन्द्र सरकार की जांच एजेन्सियों के साथ समन्वय सुनिश्चित करना।
2. निम्नलिखित के द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय सीमाओं की संरक्षा:—
   (क) अन्तर्राष्ट्रीय सीमा के संवेदनशील क्षेत्रों में बाड़ तथा फ्लड लाईट लगाकर।
   (ख) नाईट विजन डिवाईसिज, हैण्ड-हैल्ड सेंट्स, दूरबीनें, ड्रैगन लाईट्स, इत्यादि उपलब्ध करवा कर सीमाओं पर सीमा सुरक्षा बल को मजबूत बनाना ताकि उनकी कार्यक्षमता को बढ़ाया जा सके।
   (ग) अतिरिक्त बी०ओ०पी० (सीमा चौकियां) का निर्माण करना ताकि उनके बीच का अन्तर कम किया जा सके।
3. प्रभावित क्षेत्रों में जहां आवश्यक हो, अर्ध-सैनिकों बलों की तैनाती करना।
4. वहां आतंकवादी संगठनों पर प्रतिबन्ध लगाना जहां इस प्रकार की गतिविधियां एक राज्य से अधिक में फैली हों।
5. विशेष परिस्थितियों में हथियारों की आपूर्ति और पुलिस के आधुनिकीकरण के लिए प्रभावित राज्य सरकारों को चालू आबंटन के अलावा वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना।

सरकार ने शासन के लिए राष्ट्रीय कार्यसूची में भारत को आतंकवाद और दंगों से मुक्त रखने के मुद्दे को उच्च प्राथमिकता दी है।

विवरण

1995, 1996 और 1997 के दौरान आतंकवादी गतिविधियों के कारण मारे गए व्यक्तियों की राज्य-वार संख्या

क्रम सं०	राज्य का नाम	1995	1996	1997
1.	पंजाब	—	—	56
2.	उत्तर प्रदेश	—	6	—
3.	हरियाणा	—	11	—
4.	जम्मू और कश्मीर	1265	1521	1124
5.	असम	240	389	370
6.	त्रिपुरा	67	99	211
7.	मेघालय	6	7	2

क्रम सं०	राज्य का नाम	1995	1996	1997
8.	नागालैंड	105	192	135
9.	मणिपुर	247	182	344
10.	मिजोरम	—	—	4
11.	अरूणाचल प्रदेश	—	—	5

Unemployment in Rural Areas

*3. DR. Y. LAKSHMI PRASAD: Will the Minister of RURAL AREAS AND EMPLOYMENT be pleased to state:

(a) whether the number of unemployed youths in rural areas of the country is constantly increasing;

(b) if so, whether Government propose to introduce any new programme for providing regular employment in rural areas;

(c) if so, the details thereof; and

(d) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF RURAL AREAS AND EMPLOYMENT (SHRI BABAGOUDA PATIL): (a) to (d) As per National Sample Survey Organisation (NSSO) surveys conducted under 32nd (1977-78), 38th (1983), 43rd (1987-88) and 50th (1993-94) rounds, the number of unemployed youths in rural areas of the country is not constantly increasing (details are given in the statement) *(See below)*. However, this Ministry is implementing various wage-employment programmes, namely, Jawahar Rozgar Yojana (JRY), Employment Assurance Scheme (EAS), Million Wells Scheme (MWS) and Self-Employment Scheme, namely, Integrated Rural Development Programme (IRDP), Development of Women and Children in Rural Areas (DWCRA), Training of Rural Youth for Self-Employment (TRYSEM), Supply of Improved Toolkits to Rural Artisans (SITRA) to provide employment to rural poor including youths. In addition, the Government is also implementing Prime Minister Rozgar Yojana (PMRY) for promoting self-employment, and entrepreneurship among the educated unemployed youths. Several other Departments are also implementing the programmes to benefit the rural youths.

Statement

Estimates of unemployment in rural areas based on Usual Principal Status (UPS)

NSS Rounds	Total Rural (In Million)	Rural Youth Age 15-29 years (In Million)
32nd (1977-78)	6.60	4.54
38th (1983)	4.43	3.56
43rd (1987-88)	7.17	5.27
50th (1993-94)	4.71	4.17

Column 2 gives the total number of unemployed in the rural areas. The figures indicate that the majority of the unemployed in the rural areas are rural youth who fall in the 15 to 29 years age groups.

पूर्वोत्तर क्षेत्र के मुख्यमंत्रियों द्वारा उठायी गयी मांगें

*4. **श्री शिव चरण सिंह:**
श्री पराग चालिहा:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) केन्द्रीय सरकार और पूर्वोत्तर क्षेत्र के राज्यों के मुख्यमंत्रियों के बीच हाल ही में हुई द्विपक्षीय वार्ता में